प्रश्नकोश

1. 'इतिहास के पिता' की पदवी सही अर्थों में निम्न में से किससे संबंधित है?

(a) हेरोडोटस
(b) यूरीपिडीज
(c) थ्यूसीडाइडिस
(d) सुकरात

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

यूनानी लेखक हेरोडोटस (5वीं शती ई.पू.) को 'इतिहास का पिता' कहा जाता है। 'हिस्टोरिका' उसकी प्रसिद्ध पुस्तक है, जिसमें 5वीं शती ई.पू. के भारत–फारस संबंधों का विवरण (अनुश्रुतियों के आधार पर) मिलता है।

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए -

सूची-I	सूची-II
A. अष्टाध्यायी	1. यास्क
B. महाभाष्य	2. कात्यायन
C. निरुक्त	3. पतंजलि
D. वार्तिक	4. पाणिनि

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	2	3	1	4
(c)	1	2	3	4
(d)	3	1	4	2

U.P. R.O/A.R.O. (Mains) 2017

उत्तर—(a)

सूची-I का सूची-II से सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
अष्टाध्यायी	पाणिनि
महाभाष्य	पतंजलि
निरुक्त	यास्क
वार्तिक	कात्यायन

3. मुद्राराक्षस का लेखक निम्न में से कौन है?

(a) अश्वघोष (b) विशाखदत्त
(c) कालिदास (d) भास

U.P.P.C.S. (Pre) 1992
47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर—(b)

मुद्राराक्षस की रचना विशाखदत्त ने की थी। इस ग्रंथ से मौर्य इतिहास, मुख्यत: चंद्रगुप्त मौर्य के जीवन पर प्रकाश पड़ता है।

4. मुद्राराक्षस के रचयिता कौन थे?

(a) हेमचंद्र (b) बल्लाल
(c) विशाखदत्त (d) पद्मगुप्त

M.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. निम्नलिखित साहित्य की शास्त्रीय पुस्तकों में से कौन गुप्त काल में लिखी गई थी?

1. अमरकोश 2. कामसूत्र
3. मेघदूत 4. मुद्राराक्षस

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(a) केवल 1 तथा 2 (b) केवल 2 तथा 3
(c) केवल 1, 2 तथा 3 (d) 1, 2, 3 तथा 4

U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर—(d)

अमर सिंह द्वारा रचित अमरकोश, वात्स्यायन कृत कामसूत्र, कालिदास कृत मेघदूत तथा विशाखदत्त कृत मुद्राराक्षस– ये चारों रचनाएं गुप्तकालीन हैं। अत: विकल्प (d) सही उत्तर है।

6. दशकुमारचरितम के रचनाकार थे—

(a) सूरदास (b) दंडिन
(c) तुलसीदास (d) कालिदास

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर—(b)

प्रश्नगत विकल्पों में दिए गए रचनाकारों की प्रमुख रचनाएं इस प्रकार हैं :

सूरदास	- सूरसागर, सूर सारावली, साहित्य लहरी
दंडिन (या दंडी)	- दशकुमारचरितम्
तुलसीदास	- रामचरितमानस, विनय पत्रिका, कवितावली
कालिदास	- अभिज्ञानशाकुंतलम्, कुमारसंभवम्, ऋतुसंहारम्, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्, मेघदूतम्
भवभूति	- उत्तररामचरितम्
कुमारदास	- जानकीहरणम्

7. दशकुमारचरित किसने लिखा?

(a) भारवि ने (b) बिल्हण ने
(c) दंडी ने (d) सोमदेव ने

U.P. Lower Sub. (Spl) (Pre) 2008

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. 'कुमारसंभव' महाकाव्य किस कवि ने लिखा?

(a) बाणभट्ट (b) चंदबरदाई
(c) हरिषेण (d) कालिदास

45th B.P.S.C. (Pre) 2001

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

9. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक कालिदास ने नहीं लिखा था?
(a) मालविकाग्निमित्रम्
(b) अभिज्ञानशाकुंतलम्
(c) कुमारसंभवम्
(d) जानकीहरणम्

M.P.P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक कालिदास द्वारा लिखित नहीं है?
(a) मेघदूतम् (b) कुमारसंभवम्
(c) उत्तररामचरितम् (d) ऋतुसंहारम्

M.P.P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर—(c)

उत्तररामचरितम् महाकवि भवभूति का प्रसिद्ध नाटक है, जिसके सात अंकों में राम जीवन की कथा है।

11. उत्तरी भारतीय शास्त्रीय संगीत का 'बाइबल ग्रंथ' संबंधित है-
(a) नाट्यशास्त्र से (b) सूरसागर से
(c) नाद-विनाद से (d) सूफीनामा से

U.P.B.E.O. (Pre) 2019

उत्तर-(a)

भारतीय शास्त्रीय संगीत का 'बाइबल ग्रंथ' नाट्यशास्त्र को कहते हैं।

12. सुमेलित कीजिए—

A. पाणिनि	**1. कामसूत्र**
B. वात्स्यायन	**2. राजतरंगिणी**
C. चाणक्य	**3. अष्टाध्यायी**
D. कल्हण	**4. अर्थशास्त्र**

(a) A-3, B-1, C-4, D-2
(b) A-4, B-1, C-2, D-3
(c) A-2, B-3, C-1, D-4
(d) A-1, B-2, C-3, D-4

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर—(a)

व्याकरणाचार्य पाणिनि थे, अष्टाध्यायी उनकी प्रसिद्ध कृति है। कामसूत्र के लेखक वात्स्यायन थे। चंद्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री चाणक्य ने राजनीतिशास्त्र पर प्रसिद्ध ग्रंथ अर्थशास्त्र की रचना की। कल्हण ने राजतरंगिणी में कश्मीर का इतिहास लिखा।

13. कल्हण की पुस्तक का नाम क्या है?
(a) अर्थशास्त्र (b) इंडिका
(c) पुराण (d) राजतरंगिणी

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
(a) चंद्रगुप्त के शासन से
(b) गीतों के संकलन से
(c) कश्मीर के इतिहास से
(d) कृष्णदेव राय के शासन से

M.P. P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. 'अष्टाध्यायी' किसके द्वारा लिखी गई है?
(a) वेदव्यास (b) पाणिनि
(c) शुकदेव (d) वाल्मीकि

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2011
U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. कल्हण की 'राजतरंगिणी' की तरह एक इतिहास की पुस्तक 'गौडवाहो' लिखी थी—
(a) संध्याकारनंदिन द्वारा (b) वाक्‌पति द्वारा
(c) बाणभट्ट द्वारा (d) बिल्हण द्वारा

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर—(b)

कल्हण की 'राजतरंगिणी' की तरह एक इतिहास की पुस्तक 'गौडवाहो' की रचना 'वाक्‌पति' ने की थी। यह पुस्तक 8वीं सदी में प्राकृत भाषा में लिखित है। यह एक ऐतिहासिक काव्य है, जिसमें कन्नौज के शासक 'यशोवर्मन' के चरित्र का वर्णन किया गया है।

17. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (लेखक)	**सूची-II (रचनाएं)**
A. भारवि	**1. कर्पूरमंजरी**
B. हर्ष	**2. किरातार्जुनीयम्**

Scanned with OKEN Scanner

C. कालिदास 3. मालविकाग्निमित्रम्

D. राजशेखर 4. नागानंद

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	2	1
(c)	2	1	4	3
(d)	2	4	3	1

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर—(d)

सही सुमेलन इस प्रकार है :

लेखक		रचनाएं
भारवि	-	किरातार्जुनीयम्
हर्ष	-	नागानंद
कालिदास	-	मालविकाग्निमित्रम्
राजशेखर	-	कर्पूरमंजरी

18. 'किरातार्जुनीय' पुस्तक किसने लिखा था?

(a) भट्टी (b) शूद्रक

(c) कालिदास (d) भारवि

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. संस्कृत की निम्नलिखित में से कौन-सी रचनाओं ने महाभारत से अपना कथासूत्र लिया है? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

(i) नैषधीयचरित (ii) किरातार्जुनीयम्

(iii) शिशुपालवध (iv) दशकुमारचरित

कूट :

(a) (ii) और (iii) (b) (ii), (iii) और (iv)

(c) (i) और (iii) (d) (i), (ii) और (iii)

R.A.S./R.T.S (Pre) 2016

उत्तर—(d)

भारवि द्वारा रचित रचना 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य है, जिसकी कथावस्तु महाभारत से ली गई है। इसमें अर्जुन तथा 'किरात' वेशधारी शिव के बीच युद्ध का वर्णन है। नैषधीयचरित महाकाव्य श्री हर्ष की कीर्ति का स्थायी स्मारक है, इसमें 22 सर्ग हैं। महाभारत का 'नलोपाख्यान' इस महाकाव्य का मूल आधार है। शिशुपाल वध महाकवि माघ द्वारा रचित संस्कृत महाकाव्य है। इसमें कृष्ण द्वारा शिशुपाल के वध की कथा का वर्णन है, जो महाभारत से ली गई है। किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवधम् और नैषधीयचरितम् वृहत्त्रयी कहलाते हैं।

20. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए हुए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

(सूची-I)	(सूची-II)
A. विशाखदत्त	1. चिकित्सा
B. वाराहमिहिर	2. नाटक
C. चरक	3. खगोल विज्ञान
D. ब्रह्मगुप्त	4. गणित

कूट:

(a) A-1, B-3, C-4, D-2 (b) A-2, B-1, C-3, D-4

(c) A-2, B-3, C-1, D-4 (d) A-3, B-4, C-1, D-2

I.A.S. (Pre) 1996

उत्तर—(c)

विशाखदत्त नाटककार थे, मुद्राराक्षस इनकी प्रसिद्ध रचना है। इनके देवीचंद्रगुप्तम नाटक से रामगुप्त की ऐतिहासिकता पर प्रकाश पड़ता है। वाराहमिहिर गुप्तयुगीन खगोलशास्त्री थे। बृहज्जातक, पंचसिद्धांतिका, वृहत्संहिता आदि इनके प्रमुख ग्रंथ हैं। चरक कनिष्क के दरबार में राजवैद्य थे, चरक संहिता (चिकित्सा संबंधी शास्त्र) इनकी प्रसिद्ध कृति है। ब्रह्मगुप्त प्रसिद्ध गणितज्ञ थे, इन्होंने 'ब्रह्मस्फुट सिद्धांत' एवं 'खण्डखाद्यक' की रचना की है।

21. 'चरक संहिता' नामक पुस्तक किस विषय से संबंधित है?

(a) अर्थशास्त्र (b) राजनीति

(c) चिकित्सा (d) धर्म

M.P.P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. वाराहमिहिर की पंचसिद्धांतिका आधारित है-

(a) पर्शियन ज्योतिर्विद्या पर

(b) यूनानी ज्योतिर्विद्या पर

(c) ईरानी ज्योतिर्विद्या पर

(d) मेसोपोटामियन ज्योतिर्विद्या पर

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर—(b)

वाराहमिहिर की पंचसिद्धांतिका दिए गए विकल्पों में से यूनानी (Greek) ज्योतिर्विद्या पर आधारित है।

23. निम्नलिखित में कौन सही सुमेलित नहीं है?

(a) कालिदास - रघुवंश

(b) भास - स्वप्नवासवदत्तम

Scanned with OKEN Scanner

(c) सुबंधु - कादंबरी
(d) हर्ष - रत्नावली

U.P.P.C.S . (Mains) 2006

उत्तर–(c)

विकल्प (c) सही सुमेलित नहीं है, क्योंकि कादंबरी की रचना बाणभट्ट ने की थी, सुबंधु ने नहीं। शेष सभी तीनों विकल्प सुमेलित हैं। सुबंधु संस्कृत भाषा के एक कवि थे। ये वासवदत्ता के रचयिता हैं।

24. 'मिलिंदपन्हो'–

(a) संस्कृत नाटक है (b) जैन वृतांत है
(c) पालि ग्रंथ है (d) फारसी महाकाव्य है

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

पालि ग्रंथ 'मिलिंदपन्हो' में बौद्ध भिक्षु नागसेन तथा यवन शासक मिनांडर (मिलिंद) के संवाद हैं।

25. बौद्ध ग्रंथ 'मिलिंदपन्हो' किस हिंद-यवन शासक पर प्रकाश डालता है?

(a) डायोडोरस II (b) डेमेट्रियस
(c) मिनांडर (d) स्ट्रैटो I

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. 'मिलिंदपन्हो' राजा मिलिंद तथा एक बौद्ध भिक्षु के मध्य संवाद रूप में है। वह भिक्षु थे–

(a) नागार्जुन (b) नागभट्ट
(c) नागसेन (d) कुमारिल भट्ट

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित मूलग्रंथों पर विचार कीजिए -

1. नेत्तिपकरण 2. परिशिष्टपर्वन
3. अवदानशतक 4. त्रिशष्टिलक्षण महापुराण

उपर्युक्त में कौन-से जैन ग्रंथ हैं?

(a) 1, 2 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

परिशिष्टपर्वन (लेखक हेमचंद्र) तथा त्रिशष्टिलक्षण महापुराण (लेखक चावुंद राय या चामुंड राय) जैन धर्म से संबंधित ग्रंथ हैं, जबकि नेत्तिपकरण तथा अवदानशतक बौद्ध ग्रंथ हैं।

28. वह धार्मिक पुस्तक, जिसमें कृषि कर्म की आठ विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन मिलता है–

(a) अवदानशतक (b) आर्यमंजुश्रीमूलकल्प
(c) मिलिन्दपन्हो (d) दीपवंश

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

मिलिन्दपन्हो नामक धार्मिक पुस्तक में कृषि कर्म की आठ (8) विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन मिलता है। यह पुस्तक बौद्ध भिक्षु नागसेन द्वारा पालि भाषा में लिखी गई है। इस पुस्तक में नागसेन एवं हिंद-यवन शासक मिनांडर के बीच हुए वार्तालाप का वर्णन है।

29. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (दरबारी कवि)	सूची-II (राजा)
A. अमीर खुसरो	1. चंद्रगुप्त द्वितीय
B. कालिदास	2. समुद्रगुप्त
C. हरिषेण	3. हर्षवर्धन
D. बाणभट्ट	4. अलाउद्दीन खिलजी

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	1	2	3
(c)	4	3	2	1
(d)	2	4	1	3

U.P. U.D.A. / L.D.A. (Pre) 2002

उत्तर–(b)

सूची-I और सूची-II का सही सुमेलन है–

सूची-I (दरबारी कवि)	सूची-II (राजा)
अमीर खुसरो	अलाउद्दीन खिलजी
कालिदास	चंद्रगुप्त द्वितीय
हरिषेण	समुद्रगुप्त
बाणभट्ट	हर्षवर्धन

30. 'राजतरंगिणी' के लेखक कल्हण के समय शासक था–

(a) जयसिंह (b) हर्ष

Scanned with OKEN Scanner

(c) गोविंदचंद्र (d) जयचंद्र

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(a)

'राजतरंगिणी' के लेखक कल्हण के समय कश्मीर का शासक जयसिंह (1128-1149 ई.) था। उसी के शासनकाल के दौरान 1148-1149 ई. में कल्हण ने अपनी महान कृति 'राजतरंगिणी' को पूरा किया। राजतरंगिणी में कुल 8 तरंग तथा 7826 श्लोक हैं। प्रथम तीन तरंगों में अत्यंत प्राचीनकाल का कश्मीर का परंपरागत इतिहास है। चौथे से छठे तरंगों में कार्कोट तथा उत्पल वंशों का इतिहास है। सातवें और आठवें तरंगों में लोहार वंश का इतिहास अंकित है।

31. कल्हण कृत राजतरंगिणी में कुल कितने तरंग हैं?

(a) आठ (b) नौ

(c) दस (d) ग्यारह

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. कल्हण की राजतरंगिणी को किसने आगे बढ़ाया?

(a) बिल्हण एवं मेरुतुंग

(b) बिल्हण एवं मम्मट

(c) जोनराज एवं मेरुतुंग

(d) जोनराज एवं श्रीवर

U.P.P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(d)

कश्मीर के हिंदू राज्य का इतिहास हमें कल्हण की राजतरंगिणी से ज्ञात होता है। इस ग्रंथ की रचना कल्हण ने राजा जयसिंह (1128–1149 ई.) के शासनकाल में की थी। कश्मीर के शासक जैनुल आबदीन द्वारा संरक्षित दो विद्वानों जोनराज एवं उनके शिष्य श्रीवर ने कल्हण की राजतरंगिणी का आगे विस्तार किया।

33. 'सौंदरानंद' किसकी रचना है?

(a) अश्वघोष (b) बाणभट्ट

(c) भवभूति (d) भास

M.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(a)

अश्वघोष कुषाण शासक कनिष्क के राजकवि थे। उनकी रचनाओं में तीन प्रमुख हैं–(1) बुद्धचरित, (2) सौंदरानंद, (3) सारिपुत्रप्रकरण।

34. 'नागानंद', 'रत्नावली' एवं 'प्रियदर्शिका' के लेखक थे–

(a) बाणभट्ट (b) विशाखदत्त

(c) वात्स्यायन (d) हर्षवर्धन

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

हर्षवर्धन को संस्कृत के तीन नाटक ग्रंथों का रचयिता माना जाता है–प्रियदर्शिका, रत्नावली तथा नागानंद।

35. हर्ष ने निम्नलिखित में से किन रचनाओं का लेखन किया था?

1. प्रियदर्शिका **2. नागानंद**

3. हर्षचरित **4. रत्नावली**

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर अपना उत्तर दीजिए।

कूट :

(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 1, 2 और 4

(c) 1, 2 और 3 (d) 2 और 3

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. निम्नलिखित में से किस नाटक की रचना हर्षवर्धन द्वारा की गई थी?

(a) हर्षचरित (b) कादम्बरी

(c) देवीचंद्रगुप्तम् (d) प्रियदर्शिका

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. निम्नलिखित चार ग्रंथों में से कौन-सा विश्वकोशीय ग्रंथ है?

(a) अमरकोश

(b) सिद्धांतशिरोमणि

(c) बृहत्संहिता

(d) अष्टांगहृदय

I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर–(c)

बृहत्संहिता गुप्तकाल में वाराहमिहिर द्वारा संस्कृत में रचित एक विश्वकोश है।

38. प्राचीन भारत के इतिहास के संदर्भ में, भवभूति, हस्तिमल्ल तथा क्षेमेश्वर क्यों प्रसिद्ध थे?

(a) जैन साधु (b) नाटककार

Scanned with OKEN Scanner

(c) मंदिर वास्तुकार (d) दार्शनिक

I.A.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

प्राचीन भारत के इतिहास के संदर्भ में, भवभूति, हरितमल्ल तथा क्षेमेश्वर प्रसिद्ध नाटककार थे। आठवीं शताब्दी के संस्कृत भाषा के प्रमुख नाटककारों में भवभूति का नाम प्रमुखतः उल्लेखनीय है। इनकी प्रसिद्ध रचनाएं 'महावीरचरित', 'मालतीमाधव' तथा 'उत्तररामचरितम्' हैं। हस्तिमल्ल होयसल राज्य के प्रसिद्ध नाटककार एवं कन्नड़ भाषा के कवि हैं। इन्होंने 'विक्रांत कौरव' तथा 'मैथिली कल्याण' सहित अनेक नाटकों की रचना की है। क्षेमेश्वर भी प्राचीन काल के प्रमुख नाटककार हैं। इन्होंने 'चंडकौशिक' नामक नाटक की रचना की थी। इस प्रकार विकल्प (b) सही उत्तर है।

39. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

1. मृच्छकटिकम	**शूद्रक**
2. बुद्धचरित	**वसुबंधु**
3. मुद्राराक्षस	**विशाखदत्त**
4. हर्षचरित	**बाणभट्ट**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

कूट :

(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 1, 3 और 4

(c) 1 और 4 (d) 2 और 3

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(b)

बुद्धचरित की रचना वसुबंधु ने नहीं बल्कि कनिष्क के राजकवि एवं चतुर्थ बौद्ध संगीति के उपाध्यक्ष 'अश्वघोष' ने की थी। इसमें गौतम बुद्ध के जीवन का सरल तथा सरस वर्णन मिलता है। अश्वघोष की तुलना मिल्टन, गेटे, कांट तथा वाल्टेयर से की जाती है। शेष अन्य युग्म सुमेलित हैं। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

40. प्राचीन भारत के विद्वानों/साहित्यकारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. पाणिनि पुष्यमित्र शुंग से संबंधित हैं।

2. अमरसिंह हर्षवर्धन से संबंधित हैं।

3. कालिदास चंद्रगुप्त II से संबंधित हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

I.A.S. (Pre) 2020

उत्तर–(c)

चंद्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के कुशल शासन की प्रशंसा चीनी यात्री फाह्यान ने भी की है। इनके नवरत्नों की प्रसिद्धि सर्वकालिक रही है। नवरत्नों में सर्वोत्कृष्ट महाकवि कालिदास थे। अगले क्रम पर महान चिकित्सक धन्वंतरि थे। तीसरे खगोल विज्ञानी वाराहमिहिर, चौथे कोशकार (Lexicographer - शब्दकोश निर्माणकर्ता) अमर सिंह, पांचवें वास्तुकार शंकु तथा छठे रत्न फलित ज्योतिषी क्षपणक, सातवें विद्वान वैयाकरणज्ञ वररुचि, आठवें जादूगर बेतालभट्ट तथा नौवें रत्न घटकर्पर महान कूटनीतिज्ञ थे। पतंजलि पुष्यमित्र शुंग से संबंधित थे, जबकि पाणिनि (अष्टाध्यायी के रचनाकार) संभवतः 7 वीं शताब्दी ई.पू. के आसपास थे। महाभाष्य पतंजलि द्वारा रचित व्याकरण रचना है।

41. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I (ग्रंथकार)	**सूची-II (मूलग्रंथ)**
A. वाराहमिहिर	**1. प्रबंध चिंतामणि**
B. विशाखदत्त	**2. मृच्छकटिकम**
C. शूद्रक	**3. बृहत्संहिता**
D. बिल्हण	**4. देवीचंद्रगुप्तम**
	5. विक्रमांकदेवचरित

कूट :

(a) A-3, B-4, C-5, D-2 (b) A-3, B-4, C-2, D-5

(c) A-5, B-3, C-4, D-1 (d) A-1, B-3, C-5, D-2

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

गुप्तयुगीन प्रख्यात ज्योतिषाचार्य वाराहमिहिर की सर्वप्रमुख रचना 'बृहत्संहिता' है। 'देवीचंद्रगुप्तम' नाटक विशाखदत्त द्वारा लिखित है। 'मृच्छकटिकम' शूद्रक ने लिखा है तथा विक्रमांकदेवचरित बिल्हण की कृति है, जिसमें कल्याणी के चालुक्यवंशी नरेश विक्रमादित्य षष्ठ का चरित्र वर्णित है। 'प्रबंध चिंतामणि' मेरुतुंग की रचना है।

42. निम्नलिखित में से परमार राजवंश के इतिहास पर प्रकाश डालने वाला स्रोत कौन-सा है?

(a) पद्मगुप्त का नवसाहसांक चरित

(b) मेरुतुंग की प्रबंध चिंतामणि

(c) उदयपुर प्रशस्ति

(d) उपर्युक्त सभी

M.P.P.C.S. (Pre) 2019

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

परमार राजवंश के इतिहास पर प्रकाश डालने वाले स्रोत हैं- पद्मगुप्त का नवसाहसांक चरित, मेरुतुंग का प्रबंध चिंतामणि, सीयक द्वितीय का हर्सोल अभिलेख, भोज के बांसवाड़ा तथा बेतमा के अभिलेख तथा उदयादित्य के समय का उदयपुर प्रशस्ति आदि। पद्मगुप्त के नवसाहसांक चरित में परमार वंश की उत्पत्ति आबू पर्वत से बताई गई है।

43. निम्नलिखित युग्मों में कौन एक सही सुमेलित नहीं है?

(a) कर्पूरमंजरी	हर्ष
(b) मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
(c) मुद्राराक्षस	विशाखदत्त
(d) सौंदरानंद	अश्वघोष

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(a)

कर्पूरमंजरी की रचना हर्ष द्वारा नहीं बल्कि गुर्जर प्रतिहारों के दरबारी कवि राजशेखर द्वारा की गई थी। अन्य तीनों युग्म सही सुमेलित हैं।

44. 'शाकुंतलम्' किसने लिखा है?

(a) बाणभट्ट (b) वेदव्यास

(c) कालिदास (d) भवभूति

M.P.P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(c)

कालिदास को 7 ग्रंथों के प्रणयन का श्रेय दिया जाता है–(1) रघुवंशम्, (2) कुमारसंभवम्, (3) मेघदूतम्, (4) ऋतुसंहारम्, (5) मालविकाग्निमित्रम्, (6) विक्रमोर्वशीयम् तथा (7) अभिज्ञानशाकुंतलम् इनमें प्रथम दो महाकाव्य, दो खंडकाव्य तथा अंतिम तीन नाटक ग्रंथ हैं।

45. कालिदास की साहित्यिक कृति कौन-सी नहीं है?

(a) मृच्छकटिकम् (b) मेघदूतम्

(c) ऋतुसंहारम् (d) विक्रमोर्वशीयम्

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2005

उत्तर–(a)

मृच्छकटिकम् कालिदास की नहीं बल्कि शूद्रक की रचना है।

46. कालिदास द्वारा रचित 'मालविकाग्निमित्र' नाटक का नायक था–

(a) पुष्यमित्र शुंग (b) गौतमीपुत्र शातकर्णि

(c) अग्निमित्र (d) चंद्रगुप्त II

U.P.P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(c)

कालिदास द्वारा रचित 'मालविकाग्निमित्रम्' पांच अंकों का नाटक है, जिसमें मालविका और अग्निमित्र की प्रणय कथा वर्णित है। अग्निमित्र शुंग शासक, पुष्यमित्र शुंग का पुत्र था।

47. प्राचीन भारत की निम्नलिखित पुस्तकों में से किस एक में शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है?

(a) स्वप्नवासवदत्ता (b) मालविकाग्निमित्र

(c) मेघदूत (d) रत्नावली

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

48. 'स्वप्नवासवदत्ता' के लेखक हैं–

(a) कालिदास (b) भास

(c) भवभूति (d) राजशेखर

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

महाकवि भास के नाम से 13 नाटक उपलब्ध हुए हैं, जिन्हें टी. गणपति शास्त्री ने ट्रावनकोर राज्य से प्राप्त किया था। स्वप्नवासवदत्ता और चारुदत्त महाकवि भास की प्रमुख रचना हैं।

49. 'गीत गोविंद' काव्य के रचयिता कौन हैं?

(a) जयदेव (b) सूरदास

(c) केशव (d) मीरा

M.P.P.C.S. (Pre) 1997

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(a)

गीत गोविंद के रचयिता जयदेव बंगाल के अंतिम सेन शासक लक्ष्मणसेन के आश्रित महाकवि थे। अत: जयदेव ने बारहवीं शताब्दी में गीत गोविंद की रचना की है। इसे गीतिकाव्य कहना उचित होगा। इसमें 12 सर्ग हैं तथा प्रत्येक सर्ग गीतों से समन्वित हैं।

50. गीत गोविंद के गीतकार जयदेव किसकी सभा को अलंकृत करते थे?

(a) धर्मपाल (b) देवपाल

(c) विजयसेन (d) लक्ष्मणसेन

U.P.P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

51. 'गीत गोविंद' का रचयिता कौन था?

(a) धोयी (b) गोवर्द्धनाचार्य

(c) जयदेव (d) लक्ष्मणसेन

U.P.P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

52. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

सूची-I (रचनाएं)	सूची-II (विषय)
A. अष्टांग-संग्रह	1. नाट्यकला
B. दशरूपक	2. व्याकरण
C. लीलावती	3. गणित
D. महाभाष्य	4. आयुर्विज्ञान

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	4	1	3	2
(c)	2	3	4	1
(d)	1	4	2	3

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(b)

अष्टांग-संग्रह आयुर्विज्ञान से, दशरूपक नाट्यकला से, लीलावती गणित से एवं महाभाष्य व्याकरण से संबंधित ग्रंथ है।

53. 'तुम्हारा अधिकार कर्म पर है, फल की प्राप्ति पर नहीं', यह निम्न में से किस ग्रंथ में कहा गया है?

(a) अष्टाध्यायी (b) महाभाष्य
(c) गीता (d) महाभारत

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(c)

कर्म सिद्धांत पर विशेष बल देते हुए गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि 'तुम्हारा अधिकार सिर्फ कर्म करने पर है, फल की प्राप्ति पर नहीं'– (कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन्......)।

54. उस स्रोत का नाम बताइए जो प्राचीन भारत के व्यापारिक मार्गों के बारे में मौन है?

(a) संगम साहित्य (b) मिलिंदपन्हो
(c) जातक कथाएं (d) उपर्युक्त सभी

39• B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(a)

संगम साहित्य मुख्यतः सांस्कृतिक एवं सामाजिक विषयों से संबंधित दक्षिण भारत की प्राचीनतम साहित्यिक रचनाएं हैं, जो भारत के व्यापारिक मार्गों के संबंध में प्रायः मौन हैं। ध्यातव्य है कि मिलिंदपन्हो एवं जातक कथाओं में तत्कालीन व्यापारिक मार्गों का विशद वर्णन प्राप्त होता है।

55. 'जो यहां है वह अन्यत्र भी है, जो यहां नहीं है वह कहीं नहीं है' यह निम्न में से किस ग्रंथ में कहा गया है?

(a) रामायण (b) महाभारत
(c) गीता (d) राजतरंगिणी

U.P. P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(b)

महाभारत में उपर्युक्त कथन का उद्धरण मिलता है।

56. प्राचीन भारत का वह ग्रंथ जिसका 15 भारतीय एवं चालीस विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ–

(a) हितोपदेश (b) पंचतंत्र
(c) कथासरित्सागर (d) शकुंतला

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1992
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(b)

प्राचीन भारतीय पुस्तक पंचतंत्र (मूलतः संस्कृत में रचित) का पंद्रह भारतीय और चालीस विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ। इसके मूल लेखक विष्णु शर्मा माने जाते हैं। रूडगर्टन के अनुसार, पंचतंत्र के 50 से अधिक भाषाओं में 200 से अधिक स्वरूप उपलब्ध हैं। यह भारत की सर्वाधिक बार अनुवादित साहित्यिक पुस्तक मानी जाती है। मुगल काल में पंचतंत्र का फारसी अनुवाद 'आयर-ए-दानिश' (अबुल फजल द्वारा) शीर्षक के तहत कराया गया था।

57. पंचतंत्र' मूल रूप से लिखी गई–

(a) कालिदास द्वारा (b) विष्णु शर्मा द्वारा
(c) तुलसीदास द्वारा (d) रैदास द्वारा

M.P.P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन सूचियों के नीचे दिए गए कूट से कीजिए–

सूची-I (लेखक)	सूची-II (ग्रंथ)
A. सर्ववर्मा	1. मिताक्षरा
B. शूद्रक	2. राजतरंगिणी
C. विज्ञानेश्वर	3. मृच्छकटिकम
D. कल्हण	4. कातंत्र

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	1	2

Scanned with OKEN Scanner

(c) 2 1 4 3
(d) 4 2 1 3

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2003
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2002

उत्तर–(b)

सही सुमेलन इस प्रकार है -

लेखक	ग्रंथ
सर्ववर्मा	कातंत्र
शूद्रक	मृच्छकटिकम
विज्ञानेश्वर	मिताक्षरा
कल्हण	राजतरंगिणी

59. प्राचीन भारत के इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं?

1. मिताक्षरा ऊंची जाति की सिविल विधि थी और दायभाग निम्न जाति की सिविल विधि थी।
2. मिताक्षरा व्यवस्था में, पुत्र अपने पिता के जीवनकाल में ही संपत्ति पर अधिकार का दावा कर सकते थे, जबकि दायभाग व्यवस्था में पिता की मृत्यु के उपरांत ही पुत्र संपत्ति पर अधिकार का दावा कर सकते थे।
3. मिताक्षरा व्यवस्था किसी परिवार के केवल पुरुष सदस्यों के संपत्ति-संबंधी मामलों पर विचार करती है, जबकि दायभाग व्यवस्था किसी परिवार के पुरुष एवं महिला सदस्यों, दोनों के संपत्ति-संबंधी मामलों पर विचार करती है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 1 और 3 (d) केवल 3

I.A.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

मिताक्षरा याज्ञवल्क्य स्मृति पर विज्ञानेश्वर की टीका है। यह संस्कृत भाषा में लिखित धर्मशास्त्र का प्रमुख ग्रंथ है, जबकि दायभाग की रचना जीमूतवाहन ने की है। यह ग्रंथ हिंदू धर्म के संपत्ति के उत्तराधिकार से संबंधित विधि है। अत: कथन 1 असत्य है। मीताक्षरा व्यवस्था में, पुत्र अपने पिता के जीवनकाल में ही संपत्ति पर अधिकार का दावा कर सकते थे, जबकि दायभाग व्यवस्था में पिता की मृत्यु के उपरांत ही पुत्र संपत्ति पर अधिकार का दावा कर सकते थे। इस प्रकार कथन 2 सत्य है। मीताक्षरा व्यवस्था किसी परिवार के पुरुष एवं महिला सदस्यों के संपत्ति संबंधी मामलों पर विचार करती है, जबकि दायभाग व्यवस्था किसी परिवार के केवल पुरुष सदस्यों के संपत्ति-संबंधी मामलों पर विचार करती है। अत: कथन 3 असत्य है।

60. निम्नलिखित में से कौन बीजगणित के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विशेष रूप से जाना जाता है?

(a) आर्यभट्ट (b) ब्रह्मगुप्त
(c) भास्कर (d) लल्ल

U.P. P.C.S. (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(c)

यद्यपि भारत में बीजगणित का ज्ञान काफी पहले विकसित हो चुका था तथा आर्यभट्ट और ब्रह्मपुत्र ने भी कतिपय बीजगणितीय सिद्धांत प्रस्तुत किए थे, तथापि 12वीं शताब्दी के गणितज्ञ भास्कर (भास्कर II या भास्कराचार्य) ने बीजगणित के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'सिद्धांत शिरोमणि' चार भागों-लीलावती, बीजगणित, ग्रहगणिताध्याय और गोलाध्याय में विभाजित है।

61. 'लीलावती' का लेखक भास्कर द्वितीय था–

(a) चिकित्सक (b) गणितज्ञ
(c) संगीतज्ञ (d) मूर्तिकार

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. गणित की पुस्तक 'लीलावती' के लेखक थे-

(a) रामानुज (b) कौटिल्य
(c) अमर्त्यसेन (d) भास्कराचार्य

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. आर्यभट्ट थे–

(a) भारतीय राजनीतिज्ञ
(b) भारतीय गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री
(c) भारतीय संस्कृत के विद्वान एवं कवि
(d) इनमें से कोई नहीं

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(b)

आर्यभट्ट (चौथी-पांचवीं शताब्दी ई.) प्राचीन भारत के प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री थे। उन्होंने अपनी पुस्तक 'आर्यभट्टीय' में बताया कि सूर्य स्थिर है, पृथ्वी घूमती है।

Scanned with OKEN Scanner

64. निम्नलिखित में से किस भारतीय गणितज्ञ ने दशमलव स्थानिक मान की खोज की थी?

(a) भास्कर ने (b) वाराहमिहिर ने
(c) ब्रह्मगुप्त ने (d) आर्यभट्ट ने

U.P.P.S.C. (R.I.) 2014

उत्तर–(d)

आर्यभट्ट नामक भारतीय गणितज्ञ ने दशमलव स्थानिक मान की खोज की थी। आर्यभट्ट ने 'आर्यभट्टीय ग्रंथ' की रचना की थी, जो वैदिक गणित का प्रमुख ग्रंथ है।

65. 'मत्तविलास प्रहसन' का लेखक कौन था?

(a) गौतमीपुत्र शातकर्णि (b) महाक्षत्रप रुद्रदामन
(c) महेंद्र वर्मन (d) पुलकेशिन द्वितीय

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl.) (Pre) 2010

उत्तर–(c)

'मत्तविलास प्रहसन' एक संस्कृत नाटक है। इसके लेखक पल्लव नरेश महेंद्रवर्मन प्रथम हैं। इसमें तत्कालीन सामाजिक एवं धार्मिक जीवन के बारे में विवरण मिलता है। यह एक परिहास नाटक है, जिसमें धार्मिक आडंबरों पर कटाक्ष किया गया है।

66. महानदी का पौराणिक नाम 'नीलोत्पला' बताया गया है–

(a) मत्स्य पुराण में (b) मार्कंडेय पुराण में
(c) ब्रह्म पुराण में (d) वायु पुराण में
(c) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(d)

महानदी पौराणिक काल से भारतीय उपमहाद्वीप की प्रमुख नदियों में से एक रही है। इस नदी को वायु पुराण में नीलोत्पला, महाभारत के भीष्म पर्व में चित्रोत्पला कहा गया है। इसके अन्य नाम कनकनंदिनी एवं महाश्वेता भी मिलते हैं।

67. 'मनुस्मृति' मुख्यतया संबंधित है–

(a) समाज-व्यवस्था से (b) कानून से
(c) अर्थशास्त्र से (d) राज्य-कार्य पद्धति से

U.P.P.C.S. (Pre) 2007

उत्तर–(a)

'मनुस्मृति' जिसमें कुल 18 स्मृतियां सम्मिलित हैं, की रचना मनु द्वारा की गई मानी जाती है। मनुस्मृति प्राचीन भारतीय समाज-व्यवस्था तथा हिंदू विधि से संबंधित है। मनु को प्राचीन भारत का प्रथम एवं महान विधि निर्माता माना जाता है।

68. प्राचीन काल के महान विधि-निर्माता थे–

(a) अशोक (b) आर्यभट्ट
(c) मनु (d) वात्स्यायन

U.P.P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. निम्नलिखित में से किसे भारत का प्रथम विधि-निर्माता माना जाता है?

(a) पाणिनि को (b) मनु को
(c) कौटिल्य को (d) कपिल को

U.P.P.C.S. (Mains) 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. शून्य का आविष्कार किया था–

(a) आर्यभट्ट ने (b) वाराहमिहिर ने
(c) भास्कर प्रथम ने (d) किसी अज्ञात भारतीय ने

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर–(d)

शून्य का आविष्कार ईसा पूर्व दूसरी शती में किसी अज्ञात भारतीय ने किया था। अरबों ने इसे भारत से सीखा और यूरोप में फैलाया। अरब देश में शून्य का प्रयोग सबसे पहले 873 ई. में पाया जाता है।

71. शून्य की खोज की–

(a) रोमवासियों ने (b) चीनियों ने
(c) भारतीयों ने (d) सुमेरियों ने

U.P. Lower Sub. (Mains) 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

72. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

(a) लाइफ ऑफ ह्वेनसांग - हुइ-ली
(b) द नेचुरल हिस्ट्री - टॉलेमी
(c) हिस्टोरीयल फिलिपिकल - पाम्पेइस ट्रोगस
(d) द हिस्टरीज - हेरोडोटस

U.P. P.C.S. (Re.Exam) (Pre) 2015

उत्तर–(b)

नेचुरल हिस्ट्री पुस्तक के लेखक 'प्लिनी द एल्डर' (Pliny the Elder) थे। अतः विकल्प (b) में दिया गया जोड़ा सही सुमेलित नहीं है।

Scanned with OKEN Scanner

73. निम्न में से सबसे प्राचीन वाद्य यंत्र है–

(a) सितार (b) वीणा

(c) सरोद (d) तबला

U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(b)

दिए गए विकल्पों में सर्वाधिक प्राचीन वाद्य यंत्र वीणा है। यह प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति एवं संगीत का भाग रही है, जबकि सितार, सरोद एवं तबला मध्यकालीन वाद्य यंत्र हैं।

Scanned with OKEN Scanner